

मुझे खाटू आने जाने की आदत हो गई है भजन लिरिक्स



मुझे खाटू आने जाने की,
आदत हो गई है,
आदत हो गई है,
हाँ आदत हो गई है,
बाबा से मिलने जुलने की,
चाहत हो गई है,
मुझे खाटू आने जाने की,
आदत हो गई है। **lbd।**

सांवरिया से नैन मिले तो,
दिल हाथों से निकल गया,
होश गंवाया चैन गंवाया,
मनवा मेरा मचल गया,
श्याम बिना रहना मुश्किल,
ये हालत हो गई है,
मुझे खाटू आने जाने की,
आदत हो गई है। **lbd।**

जितना सोणा खाटू वाला,
उतना कोई और नहीं,
ऐसा साथी ऐसा माझी,
देखा नहीं है और कहीं,
मुझ पर भी सांवरिये की,
रहमत हो गई है,
मुझे खाटू आने जाने की,
आदत हो गई है। **lbd।**

मुझको अपना मान लिया है,
अब तो शीश के दानी ने,
श्याम कृपा के फुल खिले,
'चोखानी' की जिंदगानी में,
'अदिति' पर भी श्याम नाम की,
बरकत हो गई है,
मुझे खाटू आने जाने की,
आदत हो गई है। **lbd।**



मुझे खादू आने जाने की,
आदत हो गई है,
आदत हो गई है,
हाँ आदत हो गई है,
बाबा से मिलने जुलने की,
चाहत हो गई है,
मुझे खादू आने जाने की,
आदत हो गई है। **bd।**

स्वर – अदिति पारासर।
